आनंद ही आनंद

२८ मई २०१५
ब्रुसेल्स, बेल्जियम

श्री नरेन्द्र दामोदरदास जी मोदी
प्रधानमन्त्री , भारत सरकार
प्रधानमंत्री कार्यालय
साउथ ब्लॉक
रायसीना हिल
नयी दिल्ली ११००११

माननीय प्रधानमन्त्री जी

आपके नेतृत्व में सरकार के एक वर्ष पूरा होने एवं आज गंगा दशहरे के शुभ दिन आपको मैं व्यक्तिगत तौर पर एवं आनंद ही आनंद के परिवार की तरफ से शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

दुनिया की समस्त सभ्यतायें जिन्होंने अपने समाज को प्रगति की धारा में लेकर गएँ हैं उन सबने एक महत्त्वपूर्ण प्रयास किया था, और वह प्रयास था कि उनका किसान एवं उनके गाँव जीवंत रहें, इनकी जीवंतता किसी भी राष्ट्र एवं समाज की प्रगति के लिए आवश्यक होती हैं। किसान अन्न उत्पादन करता है, देश एवं राष्ट्र को समृद्ध बनाता है एवं ग्रामीण आबादी, सभ्यता एवं राष्ट्र की संस्कृति, इतिहास, विरासत एवं प्रकृति के अंगों को सुरक्षा एवं आश्रय प्रदान करती है।

भारत के लिए यह दुर्भाग्य रहा है कि भारत के गाँव एवं किसान आजादी के इतने सालों बाद भी पीडित और शोषित का जीवन जीने मजबूर हैं, यह भारत के समाज के लिए त्रासदी का विषय है, और इस दुर्भाग्य का कारण केवल सरकारें नहीं बल्कि भारत की समस्त जनसंख्या भी है। आज सबसे बड़ी जरूरत इस बात की है कि भारत की सरकार एवं भारत के नागरिक मिलकर इस सभ्यता को इस त्रासदी से मुक्त कर सकें। अगर भारत का किसान और ग्रामीण अपने जीवन को जीवंत न कर सका तो भारत अपना भारतत्व खो देगा।

आनंद ही आनंद,प्लाट नंबर २७, ब्लॉक न.२०२ पिसे काम्प्लेक्स, सरदार पटेल मार्किट, ग्रेट नाग रोड नागपुर, ४४०००३

53 BD DE LA TOUR D'AUVERGNE, RENNES, FRANCE, 35000

मैं धर्म और आध्यात्म के क्षेत्र से इस प्रयास में हूँ कि भारत के किसानों और ग्रामीणों को इस त्रासदी से मुक्त किया जा सके, मैं और मेरे साथ अनेक लोग किसानों से एक संवाद और समस्याओं से व्यक्तिगत रूप से परिचित होने के लिए विराट भारत की भारत पद यात्रा में हैं, जहाँ हम गाँव गाँव जाकर उनकी समस्याओं से परिचित हो रहे हैं, कुछ बने बनाये सिद्धांतों से हम किसान और ग्रामीण समस्या को देखने की अधम कोशिश नहीं कर रहे।

हम प्रयास कर रहें हैं कि सरकारी तंत्र तक हम उनकी समस्याओं को जस का तस पहुंचा सकें, क्योंकि हमें ऐसा लगता है कि किसान परेशान कुछ अन्य वजहों से हैं और उसे दिया कुछ और जा रहा है, दर्द पेट में है पर दवाई सर में लगायी जा रही है। ऐसी मानसिकता ने किसान और ग्रामीण आबादी का नुकसान ही किया है, और हमारी यवतमाळ जिले में की गयी पहली पद यात्रा से यह बात और स्पष्ट होती चली गयी।

आनंद ही आनंद एक आध्यात्मिक संस्था है, और अध्यात्म किसी से वैर की भावना से नहीं अपितु संवाद और सहयोगात्मक तरीके से कार्य करने में आस्था रखता है हम किसानों से संवाद और उनकी समस्याओं को उनसे समझकर सरकारी तंत्र को उचित रिपोर्ट एवं अन्य सहयोग देने के लिए प्रयासरत हैं, क्योंकि अंत में शाशन को अपना कर्त्तव्य निभाना ही होगा। मैं और अनेक पदयात्री अपना कार्य कर रहें हैं, भारत की जनसँख्या को उसके किसानों से परिचय करा रहे हैं, उनकी समस्याओं को सरकारी तंत्र तक ले जा रहे हैं, उम्मीद है भारत की सरकारें अपना फ़र्ज़ निभाएंगी।

यह इस देश की दुर्घटना है कि आज तक किसान को किसान एवं ग्रामीण को ग्रामीण कभी समझा ही नहीं गया, उन्हें हमेशा कभी वोट माना गया तो कभी वे दुर्भावना का शिकार हुए, लेकिन अगर इस दुर्घटना को हमने, आपने, भारत ने होने दिया तो भारत अपने अस्तित्व पर एक प्रहार करेगा। जब तक भारत का किसान और ग्रामीण जीवंतता से जीवन न जी पायेगा और किसानी नहीं कर पायेगा तब तक भारत के विकास के सारे स्वप्न अधूरे रह जायेंगे।भारत विश्व पटल पर कभी अपने महत्व को नहीं दिखा पायेगा जब तक उसका किसान और ग्राम समस्या के विकराल जाल में बंधे रहेंगे।

मैं इस पत्र के माध्यम से अपेक्षा रखता हूँ कि समाज के वर्गों के साथ मिलकर किया जाने वाले इस महायज्ञ एवं प्रयास में, भारत सरकार जिसके मुखिया आप हैं एवं अन्य क्षेत्रीय सरकारें पूर्ण सहयोग देंगी, मैं यह भी अपेक्षा रखता हूँ कि जब मेरे जैसे फ़क़ीर ने किसानों, गाँव और ग्रामीणों के विषयों को छूने का प्रयास किया है, भारत सरकार भी इन्हें छूने का प्रयास कर रही है, मैं आपको बधाई देता हूँ आपने किसानों के लिए एक टीवी चैनल समर्पित किया है, पर अभी कार्य काफी बाकी है, ग्राम पंचायतों से लेकर, ब्लॉक स्तर तक भारत की सरकार के सन्देश को पहुंचना चाहिए, भारत की एक महामारी भ्रष्टाचार गाँव के विकास के सबसे ज्यादा अवरुद्ध किया है, क्योंकि यहाँ की जनता भोली भली एवं अपने ही नैतिक अधिकारों के बारे में सजग नहीं है। मैं व्यक्तिगत तौर पर एवं मेरे साथ चलने वाले अनन्य लोग प्रयास में है भारत की धरा से एक नए प्रादुर्भाव का, और यह होगा ग्राम उदय से।

आपके और भारत सरकार के सहयोग की अपेक्षा में,

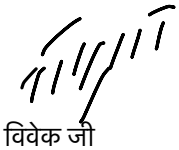

विवेक जी

आनंद ही आनंद,प्लाट नंबर २७, ब्लॉक न.२०२ पिसे काम्प्लेक्स, सरदार पटेल मार्किट, ग्रेट नाग रोड नागपुर, ४४०००३

53 BD DE LA TOUR D'AUVERGNE, RENNES, FRANCE, 35000